19वीं शोधयात्रा

काजीगुंड से खनाबल (जि. अनंतनाग, जम्मु कश्मीर)

दिनांक - 20 से 27 जून, 2007 तक

पिछले आठ सालों से अहमदाबाद स्थित सृष्टि संस्था और राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान (NIF)ने १८ पदयात्राओं के जरिये करीब ३००० किलोमीटर की यात्रा सम्पन की है। अभी तक गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, उत्तरांचल हिमाचल प्रदेश, उड़ीसा, केरल और उत्तर प्रदेश जैसे विभिन्न राज्यो में पहाड़िओं, रेगिस्तान, जंगल, समुद्र के किनारे पर पैदल सफर किया है, जहां पर आमतौर पर पढ़े-लिखे लोग जाना पसंद नही करते। यह ऐसे इलाके है जो आधुनिक विकास से वंचित है लेकिन अनुभव सिद्ध ज्ञान, सर्जनशीलता और वानस्पतिक वैविध्यता की लीहाज से सम्पन्न है। अगर समय रहते इस स्थानीय ज्ञान का संकलन, संवर्धन और सम्मान नही किया गया तो यह ज्ञान बहुत ही जल्द लुप्त हो जाएगा। इसी विचार को आगे बढाते हुए सृष्टि संस्था ने गांव-गांव पैदल जाकर गांव में बसे ज्ञानी बुजुर्गो, पशुवैद्य, शतायु महिलाएं, ग्रामीण कारीगर और प्रयोगशील लोगों का सम्मान करके ज्ञान का संकलन करने की शुरुआत की। इस बार १९वीं शोधयात्रा का आयोजन जम्मु कश्मीर के अनंतनाग जिले में किया है।

शोधयात्रा के उद्देश्य

१. पहाड़ी एवं स्थानीय लोगों की सूझबूझ को सीखना और सम्मानित करना।

२. जंगल जैसे दुर्गम विस्तार की जैविक विविधता और उसके साथ जुड़े ज्ञान का संकलन एवं संवर्धन करना।

३. स्थानीय पर्यावरणीय विषमताओं के बीच लोग प्रकृति के साथ मिलकर कैसे जीते है इसकी जानकारी लेना और सीखना ।

४. विद्यार्थी, महिलाओं, किसानो को प्रयोगधर्मी बनाना और स्थानीय समस्याओं के प्रति चर्चा का मंच खडा करके उत्सुकता के बीज बोना ।

५. विशिष्ट ज्ञानधारको, सर्जनशील कारीगरो को गांव-गांव घर-घर जाकर सन्मानित करना और इनके ज्ञान के प्रति समाज में सीखने की प्रवृति को बढ़ावा देना ।

६. हर गांव-कस्बे में स्थानीय वनस्पति और उसके साथ जुड़े पारंपरिक ज्ञान का रजिस्टर(नोलेज विलेज रजिस्टर) नये विचार एंव इन्नोवेशन रजिस्टर बनाना ।

आप हमारी सहायता कर सकते है।

१. जिन के पास विशिष्ट पारंपरिक ज्ञान अथवा स्थानीय समस्याओं में नये आविष्कार करने वाले लोगों को खोजने और उनको सम्मानित करने के काम में आप भागीदार बन सकते हैं।

२. आप शिक्षक हो तो विद्यार्थियों में वानस्पतिक विविधता प्रतियोगिता, उत्त्कृष्टता रजिस्टर, आइडिया रजिस्टर , नोलेज विलेज रजिस्टर बनाकर स्थानीय ज्ञान एवं सर्जनशीलता के प्रति बच्चो में उत्सुकता पैदा करने में आप भागीदार बन सकते हैं।

३. अगर आप किसान हैं तो आप की कृषि एवं पशुपालन संबंधित समस्याएं एवं नये प्रयोग हमे बताकर आप भागीदार बन सकते हैं।

४. शोधयात्रा से पहले निवास, भोजन, गांव में मीटिंग, ज्ञान का संकलन, ज्ञान संपन्न लोगों का सन्मान के लिए खोजना, विद्यार्थियों में प्रतियोगिता, प्रसार, जैसे विविध कार्यो में आप हमारी सहायता करके इस शोधयात्रा को सफल बनाने में आप हमारी मदद कर सकते है।

शोधयात्रा गांव गांव में

काजीगुड से मजमू (7 KMS)	20-6-07
मजमू से चेक (9 KMS) (NIGHT)	
चेक से हिलर (5 KMS)	21-6-07
हिलर से डोरु (4 KMS) (LUNCH)	
डोरु से शादीवारा (3 KMS)	
शादीवारा से वेरीनाग (5 KMS) (NIGHT)	
वेरीनाग से नोवगाम (4 KMS)	22-6-07
नोवगाम से बटागुंड (6 KMS) (LUNCH)	
बटागुंड से ब्रागाम (7 KMS)	
ब्रागाम से क्रेरी (4 KMS) (NIGHT)	
क्रेरी से लिसर वाया वड़ (5 KMS) (LUNCH)	23-6-07
लिसर से कोकरनाग (10 KMS) (NIGHT)	
कोकरनाग से हिलर (10 KMS) (LUNCH)	24-6-07
हिलर से अकीनगाम (4 KMS)	
अकीनगाम से अच्छाबल (5 KMS) (NIGHT)	
अच्छाबल से शांगस (7 KMS)	25-6-07
शांगस से उत्तरुस (7 KMS) (LUNCH)	
उत्तरुसु से चित्रगुल (NIGHT) (12 KMS)	
चित्रगुल से डिथु - रिनीदोरा	26-6-07
रिनीदोरा से किहरबल (NIGHT)	
गर्वमेन्ट डिग्री कोलेज (बोयझ) अनंतनाग	27-6-07

इस शोधयात्रा का आयोजन स्थानीय लोगों एवं स्कूलों की मदद से आयोजन किया गया है। यह यात्रा पारंपारिक ज्ञान एंव सर्जनशीलता के प्रति एक आंदोलन है। पूर्णतः गैरसरकारी संस्थाओं ने इस यात्रा का आयोजन किया है। सब लोगों को इस यात्रा में मिलजुल के भागीदार बनने एवं जुड़ने के लिए अनुरोध है। ज्यादा जानकारी के लिए आप हमारे स्थानीय सहयोगी एवं क्रेरी (Kreri) स्थित् युवा साथी मुस्ताक अहमद दार (मो. 09858354486), एम. हुसैन दार (मो. 9419995172), जहूर अहमद शाह (मो. 09906440258), हिलाल अहमद शाह (मो. 1932213358), एहजाद अहमद (मो. 01932213728) का सम्पर्क कर सकते हैं।

SOCIETY FOR RESEARCH AND INITIATIVES FOR SUSTAINABLE TECHNOLOGIES AND INSTITUTIONS

अधिक जानकारी के लिये संपर्क करे : प्रोफेसर अनिल के. गुप्ता, भारतीय प्रबंध संस्थान, वस्त्रापुर, अहमदाबाद-१५

फोन नं. २६३२४९२७, ६३०७३४१ फेक्स : ०७९-६३०७३४१, email:-honeybee@sristi.org, anilg@sristi.org, Website-www. sristi.org

मार्गदर्शिका

शोधयात्रा ज्ञान को सीखने एवं सम्मान के लिए है। इसलिए यह अपेक्षित है कि यात्रा में शामिल होने वाले सभी लोग यात्रा के उद्देशो को समजकर शामिल हो। पीकनीक या पर्यटन का मन बनाकर न आये बल्कि सीखने और सीखाने की भावना के साथ आये। इसीलिए १९वीं शोधयात्रा के लिए कुछ मार्गदर्शिका बनाई है। जिनके तहत निम्नलिखत कार्यो करने वाले यात्री को ही आने की इजाजत दी जाएगी।

१. कम से कम पारंपरिक ज्ञान के ५० अनुभवों संकलन करके सृष्टि में जमा करवाये।
   अथवा
२. हनी बी, सूझबूझ आसपास की या लोकसरवानी पत्रिका के कम से कम ५० सदस्य बनाना।
३. अगर आप विद्यार्थी एवं वैज्ञानिक है तो पारंपरिक ज्ञान आधारित किसी भी पद्धति पर मूल्यवृद्धि में सहायता करके उसकी विस्तृत जानकारी सृष्टि को भेज सकते है।
४. अगर आप पत्रकार है तो कम से कम पांच से दस इनोवेटर या ज्ञानधारको की जानकारी अखबार में प्रकाशित करके इस विचारधारा का प्रसार करने में मदद करे।

अमूल्य सूचनाएं

१. ठंड और बारिश से बचने के लिए पर्याप्त कपड़े, छाता (अमब्रेला), रेइनकोट जरुर साथ लाना।
२. बिछाने के लिए चादर और ओढने के लिए गरम चादर जरुर लाए।
३. तौलिया, टूथ-बुश, साबुन, रोज के लिए कपड़े, चलने के लिए आरामदेह चंपल, कम वजन वाली थाली, कटोरी, चम्मच, गिलास और वोटरबेग साथ लाये।
४. ट्रेन में आते और जाते वक्त अपना नास्ता एवं खाना साथ रखे।
५. यात्रा में रोज १५ से २० किलोमीटर पहाडी के रास्ते पर सबके साथ चलना होगा।
६. सुबह का नास्ता और दो वक्त के खाने की सामान्य व्यवस्था सृष्टि ने की है। कई जगह पर अपने आप खाना बनाकर खाने की व्यवस्था करनी पड सकती है या जो भी मिले वो खा लेने की प्रवर्ति होनी चाहिए।
७. डायरी, पेन और आप के पास अगर कैमरा हो तो लेकर आये। टॉच, मोमबत्ती, छोटा ताला और चाबी, कपड़ा सुखाने की ड़ोरी और अपनी जरुरतमंद दवाई साथ में लाए।
८. सभी शोधयात्री अपने आने जाने का रिजर्वेशन स्वंय करवा ले।
९. शोधयात्री को प्रतिदिन भोजन, निवास, लगेज व्हीकल एवं आयोजन के लिए प्रतिदिन १५० रुपिया जमा कराने होंगे। शोधयात्रा में आने जाने का सभी खर्च यात्रि को उठाना होंगा।
१०. काश्मीर के इस इलाके में तापमान १५° से ३५° तक रहने की संभावना है। बारिश की संभावना भी है। बारिश की वजह से कभी कभी जम्मु से श्रीनगर हाईवे कुछ दिनो के लिए बंध हो जाता है। सफर करने वाले यात्रि को यह भी ध्यान में रखना चाहिए कि जम्मु से श्रीनगर का २५० किलोमीटर का रास्ता कठिन पहाडियों से गुजरता है।
११. जम्मु से सडक मार्ग से सफर करने वाले यात्रियों को जवाहर टर्नल के बाद टुलपोस्ट के बाद काजीगुंड आता है, जहां से यात्रा कि शुरुआत होगी।